# अनुच्छेद
# सरस्वती पूजा

Date - 01-02-22 (Tuesday)

सरस्वती विद्या की देवी हैं। हर साल विद्यालयों में उनकी पूजा आराधना होती है। यह विद्यार्थियों का बड़ा पर्व होता है। माघ महीने की शुक्ल पंचमी तिथि पर सरस्वती देवी माँ की पूजा की जाती है। इसे श्रीपंचमी या वसन्त पंचमी भी कहते हैं। पूजा के पहले विद्यालयों में सभा होती है। विद्यार्थियों से चंदा वसूल किया जाता है। पूजा के पहले छात्र-छात्राएं अपने-अपने विद्यालयों को सजाते हैं। फूल और रंगीन कागजों से मूर्ति की सजावट होती है। उस दिन छात्र-छात्राएं बहुत खुश रहते हैं। पूजा के लिए वे तरह-तरह के फूल तोड़ते हैं। नई पोशाक पहनते हैं। पूजक समय पर देवी प्रतिमा की पूजा करते हैं। घंट, शंख आदि बजते हैं। धूप, दीप की सुगंधी से पूजा का परिवेश सुगंधित हो जाता है। पूजा के अन्त में छात्र-छात्राएं पुष्पांजलि अर्पण करते हैं। उसके बाद प्रसाद सेवन किया जाता है। पूजा के दूसरे दिन सरस्वती की प्रतिमा को नदी या तालाब में विसर्जन किया जाता है। यह विद्यार्थियों का एक पवित्र उत्सव है। इसे सही ढंग से मनाना चाहिए।

Practice work

STD - IV

(Tuesday) Date 01 02 22

1- नीचे लिखे प्रश्न का उत्तर लिखे :-

(क) कोणार्क मंदिर क्यों मशहूर है ?
(ख) दशहरा हर वर्ष क्या बताने आता है ?
(ग) ऊँटवाले के बाद टीकम भाई की मदद करने कौन आया ?
(घ) अभिनव सर मैदान में किस-किस को लेकर आए ?
(ङ) सारी दुनिया किसको होलिका जलाती है ?
(च) पानी के संरक्षण के लिए किसे साफ रखना आवश्यक है ?

2- इन शब्दों के अर्थ लिखे :-

प्रतिमा - मूर्ति
मेहरबानी - अहसान
भव्य - विशाल
संध्या - शाम
इलाकों - क्षेत्रों
सबक - सीख, उपदेश
परेशानी - हैरानी
प्रतीक - चिह्न

3- विलोम शब्द लिखे :-

अमृत - विष
गमन - आगमन
स्वर्ग - नरक
गुण - अवगुण
जय - पराजय
दिवा - रात्री
चढाव - उतार
आर्य - अनार्य